

घहनाना अ.क्रि. (अनु.) धातु खंड पर आघात लगने से शब्द होना, घंटे आदि की ध्वनि, घहरना 2. बजाकर ध्वनि उत्पन्न करना, घंटा आदि बजना 3. गरजना।

घहराना अ.क्रि. (अनु.) गरजने का शब्द करना, गंभीर ध्वनि निकलना, गरजना, चिंघाड़ना, गंभीर ध्वनि निकालना, गरजने का-सा शब्द निकालना।

घांटी स्त्री. (तद्.) गले के अंदर की घंटी, कौआ, ललरी 2. गला दे. (कौवा) उतरा घांटी हुआ माटी।

घाँघरा पुं. (देश.) वह चुन्नटदार और घेरदार पहनावा जो स्त्रियाँ कमर में पहनती हैं और जो पैर तक लटकता रहता है, लहंगा 2. लोबिया, बजरबट्ट।

घाँघरी स्त्री. दे. घघरा।

घाँटो पुं. (देश.) एक प्रकार का चैती की तरह का गाना जो चैत-बैसाख के महीनों में गाया जाता है।

घाँह स्त्री. (देश.) तरफ, ओर।

घा स्त्री. (तत्.) ओर, तरफ

घाई पुं. (देश.) दे. घाव।

घाई स्त्री. (देश.) ओर, तरफ, अलग 2. पानी में पड़नेवाला, भंवर, गिरदाब 3. दो वस्तुओं के बीच का स्थान स्त्री. (देश.) 1. चोट, आघात, मार, प्रहार, बार मुहा. घाड़ियाँ बताना- झांसा देना, टालटूल करना।

घाऊघप वि. (देश.) चुपचाप माल हजम करनेवाला 2. गुप्त रूप से दूसरे का धन खानेवाला, जिसका भेद कोई न पाए, जिसकी चाल जल्दी न खुले।

घागा पुं. (देश.) दे. घाघ। चतुर, काड़ियाँ, खुराट।

घाघ पुं. (देश.) उल्लू की जाति का एक पक्षी जो चील के बराबर होता है, घाघस (देश.) अत्यंत चतुर, अनुभवी, सयाना, खुराट, इंद्रजाली, जादूगर, गोंडे के रहने वाले एक बड़े चतुर और अनुभवी व्यक्ति का नाम जिनकी कही हुई बहुत-सी

कहावते उत्तरी भारत में प्रसिद्ध है, खेती-बारी, ऋतुकाल तथा लग्न मुहूर्त आदि के संबंध में इनकी विलक्षण उक्तियाँ किसान तथा सर्वसाधारण लोग बहुत कहा करते हैं।

घाघरा स्त्री. (तद्.) सरजू नदी का नाम।

घाघस पुं. (देश.) दे. घाघ।

घाघी पुं. (तत्.) मछली फँसाने का बड़ा जाल।

घाट पुं. (तत्.) नदी, सरोवर या किसी जलाशय का वह स्थान जहाँ लोग पानी भरते या नहाते धोते हैं, नदी, झील आदि का वह किनारा जिस पर पानी तक उतरने के लिए सीढ़ियाँ बनी होती हैं 2. नदी या जलाशय के किनारे का वह स्थान जहाँ धोबी कपड़े धोते हैं 3. नदी या जलाशय के किनारों का वह स्थान जहाँ नाव पर चढ़कर या पानी में तैर कर लोग पार उतरते हैं मुहा. घाट धरना- राह देखना; घाट मारना- नदी की उतराई न देना 3. तंग पहाड़ी रास्ता, चढ़ाव-उतार का पहाड़ी मार्ग स्त्री. 1. धोखा, छल, कपट।

घाटा पुं. (देश.) घटी, हानि, नुकसान प्रयो. इस बार मटर की फसल में किसानों को बड़ा घाटा हुआ मुहा. घाटा पड़ना- नुकसान होना; घाटा उठाना- हानि सहना; घाटा भरना- हानि भरना।

घाटारोह पुं. (तद्.) घाट का रोकना, घाट से किसी को उतरने न देना।

घाटि स्त्री. (तत्.) गले का पिछला भाग।

घाटिका स्त्री. (तत्.) 1. गरदन और रीढ़ का संधि भाग 2. गरदन का पिछला भाग।

घाटिया पुं. (देश.) तीर्थ स्थानों के घाटों पर बैठकर स्नान करने वालों से दक्षिणा लेनेवाले, ब्राह्मण, गंगापुत्र।

घाड़ पुं. (देश.) दे. घाव।

घात पुं. (तत्.) प्रहार, चोट, मार, धक्का मुहा. घात चलाना- जादू टोना करना 2. वध, हत्या 3. अहित, बुराई 4. गुणनफल 5. (ज्योतिष में) प्रवेश, संक्रांति 6. बाण, तीर, इषु स्त्री. (तत्.) अभिप्राय सिद्ध करने का उपयुक्त स्थान और